CPSCM

प्रमाणपत्र कार्यक्रम
शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबंधन
(सी पी एस सी एम)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2021– जनवरी 2022 सत्र के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबंधन प्रमाणपत्र की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि इस पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी पी एस सी एम)** के तीन सत्रीय कार्य हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2021 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2022 सत्र के लिए	31 मार्च 2022	

शुभकामनाओं के साथ,

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत, प्रासंगिक और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष का परिचय (बी.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः बी जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : बी जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. शांति के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए।

2. शांति निर्माण क्या है? अंतरराष्ट्रीय संबंध सिद्धांतों में इसका परीक्षण करें।

3. शांति निर्माण के संघर्ष प्रबंधन सिद्धांत का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

4. संघर्ष परिवर्तन किस प्रकार शांति निर्माण की ओर ले जाता है?

5. दक्षिण एशियाई क्षेत्र में संघर्षों की प्रकृति का वर्णन कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) हिंसा के बिना दुनिया
   ख) मानव अस्तित्व के लिए शांति

7. क) आदर्शवादी सिद्धांत
   ख) शांति निर्माण

8. क) पूंजी केंद्रित दृष्टिकोण
   ख) नागरिक भागीदारी

9. क) मानव आवश्यकता सिद्धांत
   ख) संरचनात्मक हिंसा सिद्धांत

10. क) नागरिक समाज
    ख) विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष : भारतीय परिप्रेक्ष्य (बी.जी.पी.–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः बी जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : बी जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–2022
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. शांति पर जैन धर्म और बौद्ध धर्म के दृष्टिकोणों की तुलना करें।

2. उग्रवाद पर लगाम लगाने के लिए कुछ ऐसे उपाय सुझायें।

3. भारत में संयुक्त परिवार व्यवस्था के विघटन के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।

4. ग्रामीण–शहरी विभाजन पर गांधी के विचारों का वर्णन करें।

5. संघर्ष समाधान के लिए लोगों की मुख्य प्रतिक्रियाओं पर चर्चा करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) गांधी का अहिंसक प्रतिरोध आंदोलन
   ख) भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में न्यायपालिका की भूमिका

7. क) सकल राष्ट्रीय खुशी (Gross National Happiness)
   ख) सामाजिक प्रगति सूचकांक

8. क) प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन
   ख) संघर्षों का समाधान

9. क) अहिंसक विरोध और अनुनय
   ख) अनुनय के तरीके

10. क) क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका
    ख) अंतर–राज्य संघर्ष

पाठ्यक्रमः संघर्ष और शांति : वैश्विक परिप्रेक्ष्य (बी.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः बी.जी.पी.–003
सत्रीय कार्य कोड : बी जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. विश्व के विभिन्न भागों में संघर्षों की प्रमुख प्रवृत्तियों की व्याख्या कीजिए।

2. समकालीन विश्व में प्रचलित आतंकवाद के विभिन्न रूपों का विश्लेषण कीजिए।

3. जलवायु परिवर्तन का मानव स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ा है? अपने शब्दों में लिखें।

4. मानव सुरक्षा की अवधारणा की चर्चा कीजिए।

5. क्या वैश्वीकरण शांति बनाए रखने में सफल रहा है? वर्णन कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) खाद्य सुरक्षा
   ख) प्रवासन के कानून

7. क) भारत में नदी जल बंटवारा
   ख) कावेरी विवाद

8. क) व्यापार प्रतिषेध (Embargo)
   ख) शांति और सुरक्षा चुनौतियां

9. क) प्राकृतिक संसाधन और संघर्ष
   ख) आतंकवाद और संगठित अपराध के बीच गठजोड़

10. क) धार्मिक अतिवाद
    ख) ग्लोबल वार्मिंग